

# COVID-19 पोल

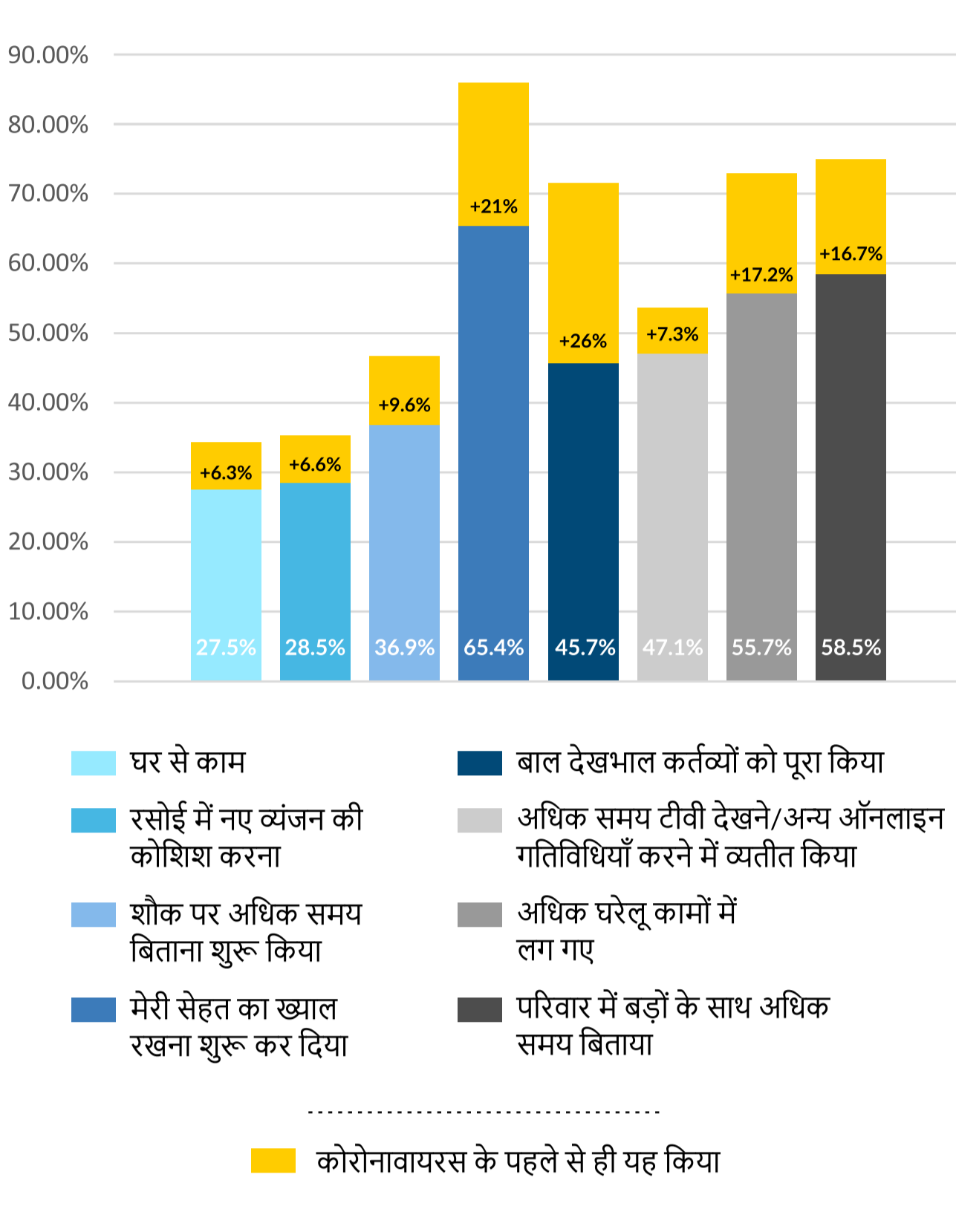
भारत में कोरोनावायरस लॉकडाउन के दौरान केवल 27% उत्तरदाताओं ने घर से काम किया

कोरोनवायरस के बीच देश भर में भारतीयों की आर्थिक भलाई के बारे में जानने के लिए टीम C-voter ने 8 से 12 मई 2020 में सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण में, उत्तरदाताओं से उनके कार्य-गृह जीवन, कामकाजी प्रतिरूप, आय, नौकरी की सुरक्षा और भविष्य के बारे में आशावाद पर राष्ट्रव्यापी कोरोनावायरस लॉकडाउन के प्रभाव के बारे में पूछा गया।

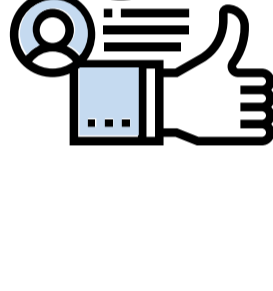
टीम पॉलस्ट्रेट ने कोरोनावायरस संकट के दौरान उत्तरदाताओं और उनकी नौकरी की सुरक्षा पर समग्र आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण किया है।



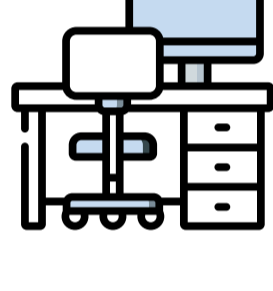
**Q** क्या आपने व्यक्तिगत आधार पर “इन चीजों को किया है” या “कोरोनवायरस के फैलने के कारण “ये चीजें आपके साथ हुई हैं”?



## मुख्य निष्कर्ष

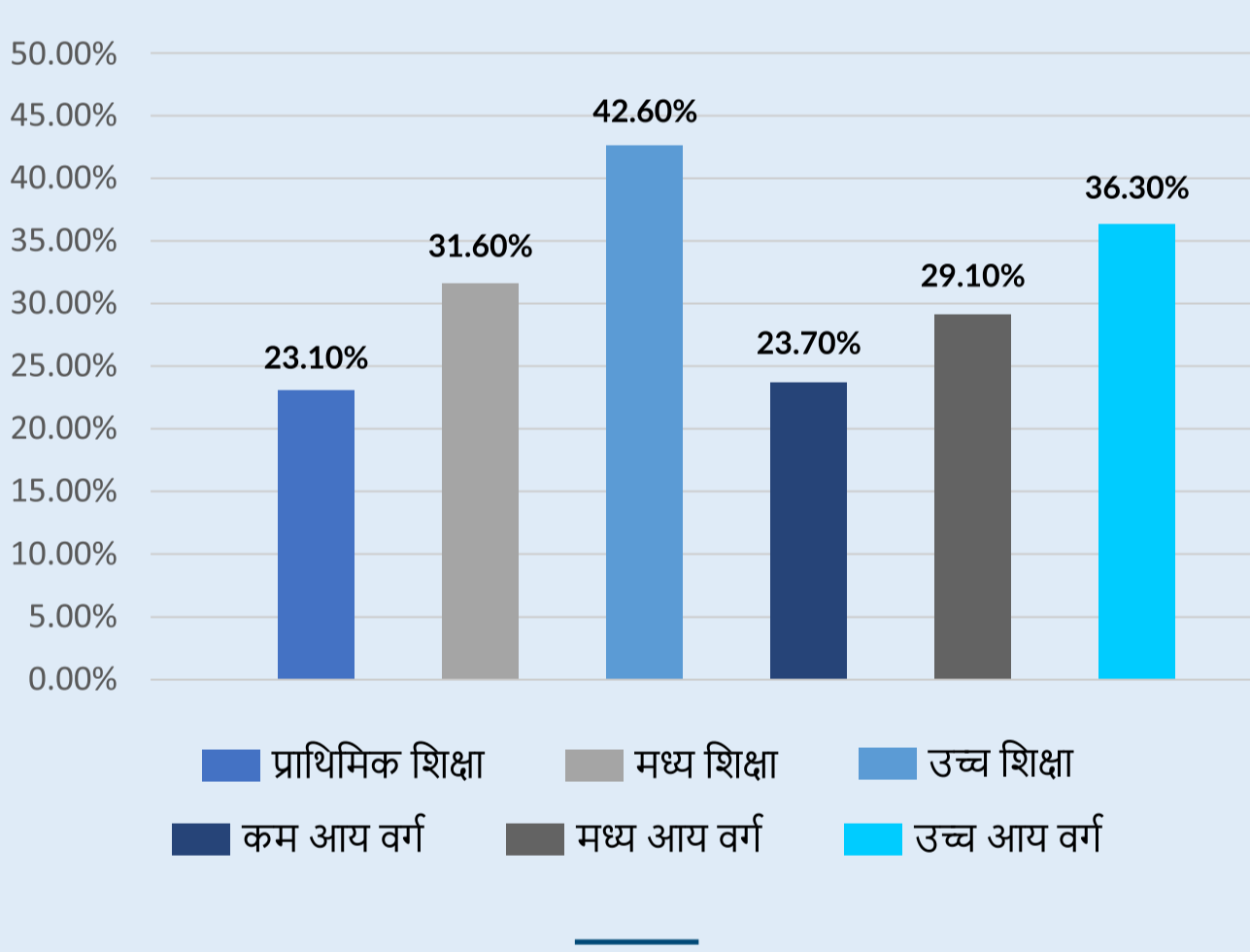


अधिकांश उत्तरदाताओं ने अपने स्वास्थ्य (65.4%) का बेहतर ख्याल रखा है, अधिक घरेलू काम (55.7%) कर रहे हैं और कोरोनावायरस के संकट के बीच परिवार (58.5%) में बड़ों के साथ अधिक समय बिता रहे हैं।



केवल 27.5% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे लॉकडाउन के दौरान घर से काम करने में सक्षम थे, जबकि 6.3% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे कोरोनावायरस लॉकडाउन से पहले ही ऐसा कर रहे थे। इसका मतलब है कि लॉकडाउन के दौरान लगभग 34% उत्तरदाता घर से ही काम कर रहे थे।

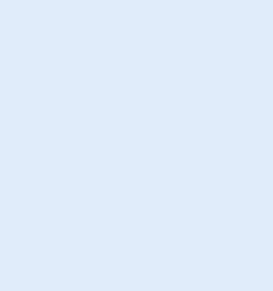
## तालाबंदी के दौरान घर से कौन काम कर रहा था?



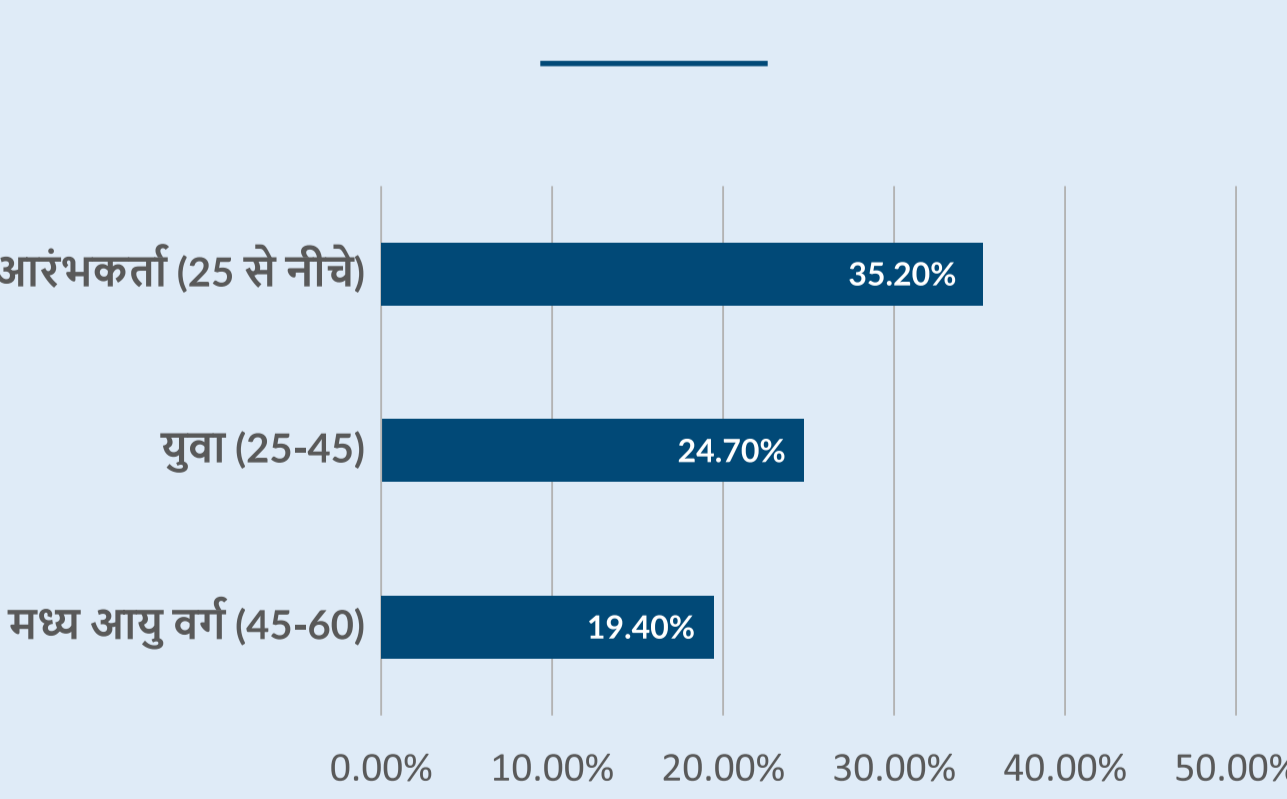
जैसा कि अपेक्षित था, उच्च शिक्षा और उच्च आय वर्ग के उत्तरदाताओं ने मध्यम और प्राथमिक शिक्षा वाले लोगों की तुलना में घर से काम करने में सक्षम होने की बहुत अधिक संभावना व्यक्त की।



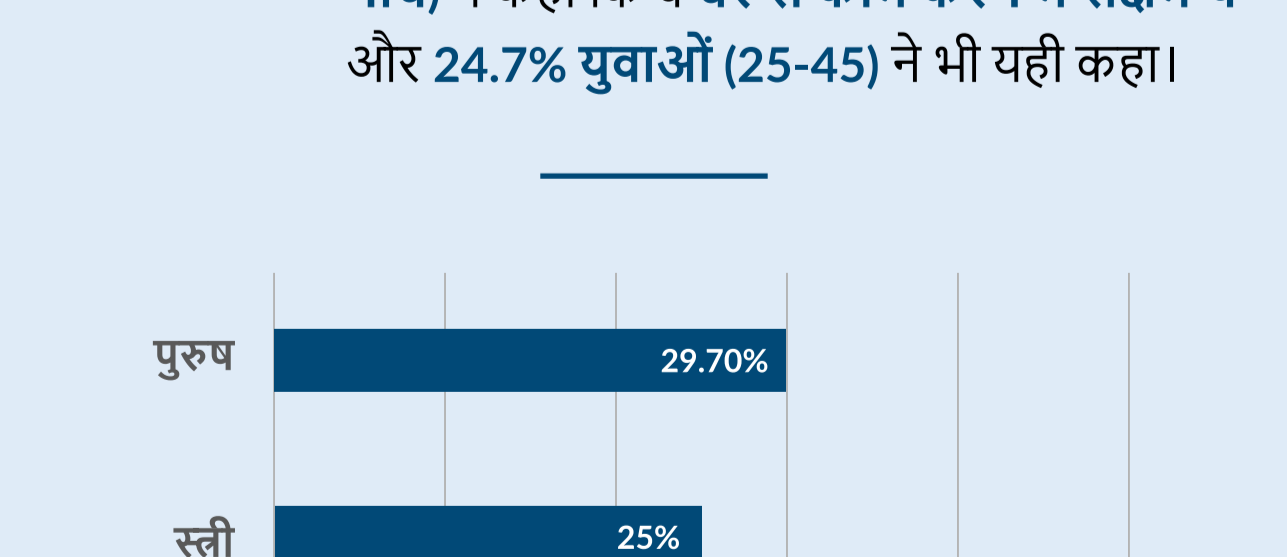
उच्च शिक्षा वाले 42.6% लोगों ने कहा कि वे कोरोनावायरस लॉकडाउन के दौरान घर से काम करने में सक्षम थे, जबकि उच्च आय समूहों में 36.3% लोगों ने ऐसा ही कहा। यह आंकड़ा प्राथमिक शिक्षा (23.1%) और आय समूहों (23.7%) में उन लोगों के लिए काफी कम था।



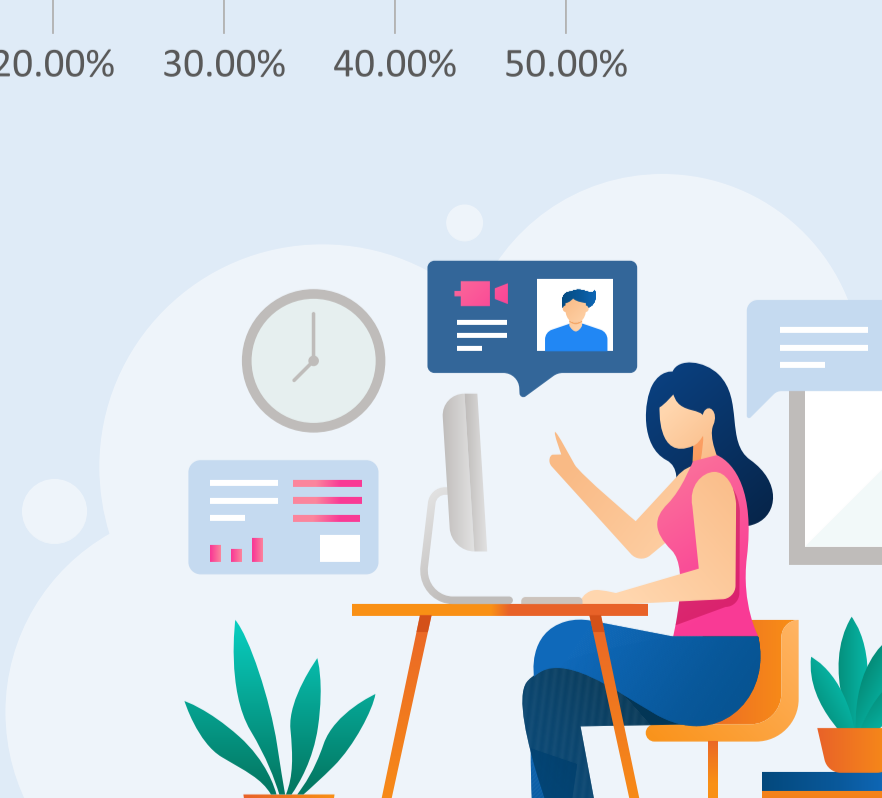
आमतौर पर, उच्च शिक्षा और आय वाले लोग कम शिक्षा और नौकरी की सुरक्षा वाले लोगों की तुलना में घर से काम करने के लिए अधिक नौकरी की सुरक्षा, लकजरी और संसाधन रखते हैं।



दिलचस्प रूप से सभी आय समूहों में से, मध्यम आयु वर्ग के लोगों में से केवल 19.4% ने कहा कि वे कोरोनावायरस वायरस के संकट के दौरान / घर से काम करने में सक्षम थे। जबकि 35.4% (25 से नीचे) ने कहा कि वे घर से काम करने में सक्षम थे और 24.7% युवाओं (25-45) ने भी यही कहा।



घर से काम करने की क्षमता लिंग से भी थोड़ी भिन्न होती है, जिसमें लगभग 30% पुरुष बताते हैं कि वे घर से काम करने में सक्षम थे, जबकि केवल 25% महिलाओं ने ऐसा ही कहा।



सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान टीम C-Voter COVID 19 सर्वेक्षण पर आधारित है, जो मई 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्य भर में किए गए हैं, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा हर राज्य के नाम से जनसांख्यिकीय प्रोफाइल के लिए दिया जाता है, जिसमें आयु समूह, सामाजिक वर्ग, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा के स्तर भी शामिल है। (नमूने का आकार: 1423)

